27 / 05 / 77 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

पॉवरफुल स्टेज अर्थात् बाप समान बीजरूप स्थिति का अनुभव करना

➢➢ पावरफुल स्टेज

➳ _ ➳ आंख खुलते ही परमपिता परमात्मा शिव बाबा को निहारते मैं आत्मा गुड मोर्निंग करती हूं

→ शिव पिता भी मीठी मुस्कान देते मेरी गुड मोर्निंग को स्वीकार करते है

→ श्रेष्ठ संकल्पों से बैठ जाती हूं दिलाराम बाप की याद में

→ दिलाराम बाप की स्नेह की डोर से खींची मैं आत्मा मन बुद्धि रुपी विमान से उड पहुंच जाती हूं मधुबन में

→ डायमंड हाल मे सब फ़रिश्ते बापदादा से मिलन मनाने के लिए खुशी उमंग उत्साह से भरपूर

→ मैं फरिश्ता भी अव्यक्त रुप डायमंड हाल में

→ योगयुक्त स्थिति मे बापदादा के सम्मुख बैठ जाती हूं

➳ _ ➳ दादी के तन में बापदादा की पधरामणि

→ बापदादा दृष्टि दे रहे है

→ बापदादा की पावरफुल दृष्टि

- अनन्त अविरल शक्तियों का प्रवाह
- असीम शांति
- असीम स्नेह

→ मुझ आत्मा की चमक बढती जा रही है

→ सर्वगुण और सर्व शक्तियों से सम्पन्न शक्तिशाली किरणें मुझ आत्मा पर बरस रही है

→ अपने ओरिजिनल स्वरूप का अनुभव कर रही हूं

→ पावरफुल स्थिति का अनुभव कर रही हूं

➳ _ ➳ अमृतवेले दिनचर्या सेट करना

→ मैं आत्मा बापदादा की शिक्षाओं को स्मृति मे रखती हूं

→ अमृतवेले ही तन और मन की दिनचर्या सेट कर अटेंशन रखती हूं

→ हर कर्म करते कर्म अनुसार स्वमान की सीट पर सेट रहती हूं

- अमृतवेला शक्तिशाली तो सारा दिन ही शक्तिशाली स्थिति रहती है

→ शुद्ध संकल्पों का खजाना जमा करती जा रही हूं

- व्यर्थ संकल्प समाप्त होते जा रहे है

→ मैं आत्मा ज्ञान का मनन करते स्वयं को बिजी रखती हूं

→ मैं आत्मा बापदादा से मिली शक्तियों से समर्थ रह हर परिस्थिति को खेल समझ पार करती जा रही हूं

→ मैं आत्मा बापदादा के महावाक्य को सुनते हुए हर प्वांइट को सुनते हुए उसका स्वरुप बन रही हूं

→ उसे समाती जा रही हूं

→ अनुभवीमूर्त बन रही हूं

→ बाबा परमधाम की बातें करते तो

- मैं परमधाम निवासी बन रही हूं

→ स्वर्ग की बातें करते तो

- स्वर्गवासी बन रही हूं
- देवताई स्वरुप का अनुभव कर रही हूं
- जैसा प्वाइंट वैसी स्थिति का अनुभव कर रही हूं

→ बाबा की पावरफुल दृष्टि से पुराने स्वभाव संस्कार मिटते जा रहे है

- आदि अनादि संस्कारों की स्मृति से समर्थ स्थिति का अनुभव कर रही हूं

→ पावरफुल स्टेज का अनुभव कर रही हूं